भागीरथी बाल शिक्षा सदन सै० स्कूल (2020-21)

विषय - संस्कृत

कक्षा - VIII

पाठ-1 लोट्लकारस्य पुनरावृत्तिः

(वार्तालापः)

छात्रों को याद होगा कि लोट्लकार का प्रयोग आज्ञा या आदेश देने के अर्थ में किया जाता है; जैसे: -

प्र० पु० - सः करोतु (वह करे), ते कुर्वन्तु (वे सब करें)।
म० पु० - त्वम् कुरु (तुम करो), यूयम् लिखत (तुम सब लिखो)।
उ० पु० - अहम् खादानि (मैं खाऊँ), वयम् गच्छाम (हम सब जाएं)।

ध्यान दें वार्तालाप में लाल पेन वाले रेखांकित वाक्यों में लोट्लकार का प्रयोग है।

छात्राः - (उच्चायं) नमो नमः महोदय!
(उच्चैः) नमस्कार महोदय!

अध्यापकः - नमो नमः। अद्य दिवसः अति मनोहरः, अतः वयम् 'वसन्त ऋतुः' इति अध्यायं पठामः।
नमस्कार। आज दिन बहुत आकर्षक है, अतः हम सब 'वसन्त ऋतु' इस अध्याय को पढ़ते हैं।

छात्राः - शोभनम्।
ठीक है (अच्छा)।

अध्यापकः - प्रथमम् अहम् किञ्चित् पृच्छामि। कः ऋतुः वर्तते अधुना?
पहले मैं कुछ पूछता हूँ। कौन सी ऋतु है अब?

दिव्यः - किम् अहम् वदानि?
क्या मैं बताऊँ?

अध्यापकः - आम् वद।
हाँ बताओ।

दिव्यः - अधुना वसन्तः ऋतुः अस्ति महोदय।
अब वसन्त ऋतु है महोदय।

अध्यापकः - शोभनम्। अधुना प्रकृतिः कीदृशी अस्ति; वातावरणम् च कीदृशम्?
(ठीक है)। अब प्रकृति कैसी है और वातावरण कैसा है?

Scanned with CamScanner

भव्य: — अहम् वयामि महोदय। वसन्तर्तौ प्रकृति: अति मनोहरा: भवति, वातावरणं चाकर्षकं भवति। सर्वत्र विविधवर्णानि पुष्पाणि विकसन्ति। अस्मिन् काले नाधिकं शीतं वर्तते न च उष्णता।

मैं बताता हूँ महोदय। वसन्त ऋतु में प्रकृति बहुत दीप्त को हरने वाली होती है और वातावरण आकर्षक होता है। सभी जगह विभिन्न रंग के पुष्प खिलते हैं। इस समय न अधिक सर्दी होती है और न अधिक गर्मी।

अध्यापक: — अतीव शोभनम्, उपविश। किमन्यत्?
बहुत अच्छा, बैठो। और कुछ?

भव्या — किम् अहम् कथयानि महोदय?
क्या मैं बताऊं महोदय?

अध्यापक: — आम् कथय।
हाँ कहो।

सभी छात्र इस वार्तालाप को अपनी कॉपी में लिखें।

शब्दार्थ (अभ्यास कार्य)

1. विविधवर्णानि = भिन्न-भिन्न रंग वाले
2. कथयानि = मैं बताऊँ
3. उष्णता = गर्मी
4. किमन्यत् = और कुछ
5. मनोहरा: = आकर्षक
6. पिका: = कोयल
7. तरुणाम् = वृक्षों के
8. पृच्छामि = पूछता हूँ

प्रश्न / उत्तर

क) वसन्तसमये प्रकृति: कीदृशी भवति?
उ०:- वसन्तसमये प्रकृति: अति मनोहरा: भवति।

ख) छात्रा: कम् अध्यायं पठन्ति?
उ०:- छात्रा: 'वसन्त ऋतु:' अध्यायं पठन्ति।

ग) वसन्तर्तौ का: उत्सव: भवति?
उ०:- वसन्तर्तौ होलिकोत्सव: भवति।

'लिख्' और 'वद्' धातु रूप लोट्लकार में लिखिए।

नोट:- सभी बच्चे अपनी संस्कृत की पुरानी कापी या अलग कापी बनाकर अपना कार्य करें। लेख स्वच्छता का ध्यान रखें, स्कूल खुलने पर आपका कार्य जाँच किया जाएगा व आपको इसके अंक भी मिलेंगें।

Scanned with CamScanner